



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

H.C.  
11/11/99

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 130 ]  
No. 130]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 7, 1999/ज्येष्ठ 17, 1921  
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 7, 1999/JYAIKTHA 17, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 10 (आर ई-99)/1997—2002

नई दिल्ली, 7 जून, 1999

फा. सं. 01/94/180/00143/ए एम-00/पी सी-IV.—सं.आ. संख्या 283(अ) दिनांक 31-3-97 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-2, खण्ड-3-उपखण्ड (2) में यथा अधिसूचित नियंत्रित और आयात नीति, 1997-2002 के पैराग्राफ 4.11 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं दूरदृश्य प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) (आर ई-99), 1997-2002 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :

1. परिणाम-16-व में पैराग्राफ 3:38 के रूप में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा  
"3:38 टी क्रेम या क्लक के रूप में नियंत्रित के पोता-पर्वत निःशुल्क मूल्य के 20% तक इस्टेंट बाय फ्री टी व बिल्ड की प्राप्ति दी जाएगा।"
2. परिणाम-16-व के पैराग्राफ 1:53 को मार्गोधित करके निम्ननुसार फटा जाएगा :  
"इस टी व ई पी लंड राइल ग्रिलों को लंबी मालियों से छू दी जाएगी जो उनके द्वारा नियंत्रित भवा तर दी गयी होगा।"
3. पैराग्राफ 9.1 के प्रत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :  
"प्राप्तिसूचना संख्या 42 (आर ई-92-97) दिनांक 31 मई, 1994 (परिणाम-16-व में यथासंशोधित) द्वारा जारी दिशा निर्देशों के मूलमार निवी/संयुक्त क्षेत्र में नियंत्रित प्रोसेसिंग जोन को भी प्राप्ति किया जा सकता है।" एस टी पी योजना के बारे परिणाम-44 प्रारंभ इस टी पी योजना के बारे परिणाम-45 में दिया गया है।

4. पैराग्राफ 9.38(3) को संशोधित करके निम्नसार पढ़ा जाएगा :  
 "इ गो दृई पी चेड/एस टी पी/ई पी में किया गया निवेश इस विषय पर गैरव दिशानिर्देशों द्वारा शासित होगा।"

5. परिशिष्ट-16-व इपरिशिष्ट पृष्ठ संख्या 117॥ के पैराग्राफ 4 की दूसरी पंक्ति में ग्राम शब्द और अभिव्यक्ति "मनुष्यक-1" से संशोधित करके "परिशिष्ट-1" पढ़ा जाएगा।

6. परिशिष्ट 16-व इपरिशिष्ट पृष्ठ संख्या 117॥ के पैराग्राफ 4 की छठी पंक्ति में ग्राम शब्द और अभिव्यक्ति "परिशिष्ट \_\_\_\_\_" से संशोधित करके "परिशिष्ट 3." पढ़ा जाएगा।

7. परिशिष्ट - 16 व इपरिशिष्ट पृष्ठ संख्या 119॥ के परिशिष्ट -क में प्रतीष्ट संख्या 7 से ठीक करके निम्नसार पढ़ा जाएगा :  
 "विनियम प्रक्रिया द्वारा शामिल प्रत्येक प्रकार की कस्तुओं के नमूने/प्रौदी ठाईप् ।"

8. परिशिष्ट-16 व व उ की दूसरी पंक्ति में ग्राम शब्द और अभिव्यक्ति "सम्प्रेदारी फॉर्म" के पश्चात् शब्द और अभिव्यक्ति "के ग्रालिक" जोड़ा जाएगा।

9. परिशिष्ट-16 व व की भाग के दूसरे विवरण में शब्द और अभिव्यक्ति "जहाँ रहीं" के पश्चात् शब्द और अभिव्यक्ति "गोदाम द्वारा" से लोड़ा जाएगा।

10. शब्द और अभिव्यक्ति "गोदाम" से शब्द और अभिव्यक्ति "धारा और पैराग्राफ 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 और 11 में जहाँ रहीं गोदाम शब्द माया है" द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

11. परिशिष्ट-11वाँ के पैराग्राफ 6 से निम्नसार संशोधित किया जाएगा :-  
 "सरकार के किसी कानून, ग्रामेश, घोषणा, विनियम/प्रथादेश के काण्ड जब ऐसे दायित्व की पूर्ति में नकाब प्रथा विताक्ष ढोने से उड़ाकर उपर्युक्त अनुसार गोदाम द्वारा दायित्व प्राप्त न करने की स्थिति में गोदाम से संबंधित महायक मीणाशुल्क मायुम के अनुदेशों पर सीमाशुल्क/केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और उस पर लगे व्याप के ब्रह्मर राशि सरकार से प्रदा करंगा जो निधारित दर पर व्याप संक्षिप्त दी गई मंजूरी के अनुसार गोदाम द्वारा प्राप्त/सरीके के लिए अनुमति मर्दों पर लागू है।"

12. पैराग्राफ 8 इपंक्त 7॥, पैराग्राफ 10 और मन्त्रिम पैराग्राफ में ग्राम शब्द और अभिव्यक्ति "र्यान्ट" से शब्द और अभिव्यक्ति "गोदाम" द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

13. परिशिष्ट-16 ख से के पैराग्राफ 9 में ग्राए शब्द और ग्राहियका "मात्रामार" से संशोधित करके "विकाप्ति" पढ़ा जाएगा ।

14. परिशिष्ट-16 ख से ४परिशिष्ट की पृष्ठ संख्या 119४ के मनुष्यनक रूपी प्रविष्टि संख्या 7 को संशोधित करके "न्यूनप्रोटो टाइप" पढ़ा जाएगा ।

15. परिशिष्ट-16 ग के पैराग्राफ ६४४ में निम्नलिखित वाक्य को हटा दिया जाएगा :  
"लाइसेंस योग्य पदों के निर्णय में संलग्न है जो यू. की डिपोर्टिंग प्रशासनिक मंत्रालय द्वी प्रेसीडी के अधीन है"

16. परिशिष्ट-16 ड. के साथ संलग्न प्राप्ति 1 को प्राप्ति 1४८३ सार्वजनिक सूचना के मनुष्यनक-के साथ में संलग्न ३ द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

17. प्राप्ति ३४परिशिष्ट की पृष्ठ संख्या 137४ में ग्राए "निर्यात दायित्व में मन्त्र" कलम को संशोधित करके "निर्यात निष्पादन में मन्त्र" पढ़ा जाएगा ।

18. परिशिष्ट-16 ड. ड. ४परिशिष्ट की पृष्ठ संख्या 142४ के पैराग्राफ 3६२३ को हटा दिया जाएगा ।

19. परिशिष्ट 41 में प्रविष्टि संख्या 75 के साथ स्कैप या अपरिशिष्ट के अन्तर्गत प्राप्तिगत को 39% पढ़ा जाएगा ।

20. परिशिष्ट-32 ख के ग्राइ एस/ग्राइ एस जो १०००६ अंकों प्रमाणन अधिकारण की मूर्ती के तहत कम मद्दा के परिचालन निम्नलिखित अधिकारण को जोड़ा जाएगा :

मैसर्स इंडियन एस/एस/ग्राइफिकेशन लि.,  
656, मैस्टर-10,  
पंचकुला  
हरियाणा - 134113

21. निकल विदेशी मूदा में एस टी पी यूनिट का निर्यात दायित्व नियामनमार होगा :  
निर्यात दायित्व = ०.२५ ग्राहियन आग्रीको इत्तर या ग्राहान्तर युज्वलेत प्रल के लगत बीमा प्राप्ति का ५ गुना, जो भी अधिक हो ।

न्यूनतम एस एफ ई पी = २०%

22. पैराग्रफ 7.36 की पैकेट-2 में उल्लिखित "15%" शब्द मौर आधिकारिक को संशोधित करके "10%" पढ़ा जाएगा ।

23. पैराग्रफ 7.38 के अत में निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा :

"इसी दी पी बी के अन्तर्गत प्रभावी आयत सी लागत-बोगा-भाड़ा मूल्य, उस पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य से अधिक नहीं होगा जिसके प्रति इसी पी बी जारी कर दी गयी है । लाइसेंसिंग प्राधिकारी इसी दी पी बी पर इस आयत के पृष्ठांकन शामिल करेंगे और इसी पी बी पर पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य भारतीय स्पर्धे में सा भी उल्लेख करें ।

24. पैराग्रफ 6.15 को संशोधित करके निम्नसार पढ़ा जायेगा :

"पैराग्रफ 6.8 में यथा उल्लिखित संक्षम प्राधिकारी, नियंत्रित दायित्व को पूरा करने में किसी एक वर्ष या किसी एक ब्लाक वर्ष के लिए विस्तार संदित नियंत्रित दायित्व प्रवधि में विस्तार के ग्रावेन पर गुणवत्तन के आधार पर विचार कर सकते हैं बश्यते कि नियंत्रित दायित्व का विस्तार, नियंत्रित दायित्व प्रवधि की समाप्ति सी तारीख से एक वर्ष की ऊपर प्रवधि से अधिक नहीं होगे इसके अलावा अंतिम ब्लाक वर्ष के लिए, नियंत्रित दायित्व प्रवधि में विस्तार एक वर्ष से अधिक की प्रवधि के लिए अनुमति नहीं होंगा । नियंत्रित दायित्व प्रवधि में विस्तार ऐसी शर्तों के अधीन होगा जो संक्षम प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित हों ।

25. परिशिष्ट-47 में उल्लिखित 1 मार्च, 1996 की ग्राहितना सां.ग्रा. 162 श्रम को परिशिष्ट----ख-----अस्तवन्ध द्वारा बदला जाएगा ।

26. परिशिष्ट-27 के कालम 11 में उल्लिखित शब्द मौर आधिकारित "उप महानिदेशक, विदेश व्यापार" को संशोधित करके "संयुक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार" पढ़ा जाएगा ।

27. परिशिष्ट-32 ल फी एच ए सी सी पी प्रमाणन एजेंसियों की सूची में उल्लिखित शब्द मौर आधिकारित "समझदारी उत्पाद और नियंत्रित विकास एजेंसी" सो ठीक करके "समझदारी उत्पाद नियंत्रित विकास प्राधिकरण" पढ़ा जाएगा ।

28. पैराग्रफ 5.36 के शीर्ष को ठीक करके "आयातीत मल सा स्थानान्तरण" पढ़ा जाएगा ।

29. पैराग्रफ 8.28 में दी गई तात्त्विका ड. के कालम को संशोधित करके निम्नसार पढ़ा जाएगा :

इ.	पृष्ठतः मरीनी प्रक्रिया द्वारा विनिर्दित	1.25%	1.25%
	केवल/चूड़ियां और जो जड़ित न हो		

39. निमलीकृत को पैरपाल 7.54 के तौर पर फढ़ा जाएगा :

**वार्षिक 7.54** पैरपाल 7.4 के मुनुसार वार्षिक आयम लाइसेंस को लाभ उठाने के लिए पात्र नियंत्रक परिषद  
आयम \_\_\_\_\_<sup>57</sup> में उस लाइसेंस प्राधिकारी को ग्रावेन करेगा जिसके अधिकार क्षेत्र में ग्रावेन की  
लाइसेंस

विनियोग यूनिट की ओर से स्पष्टी का मुद्यालय/पंजीकृत कार्यालय भी ग्रावेन कर सकता है। ऐसे  
मामलों में, मुद्यालय/पंजीकृत कार्यालय फैस्टरी का पूरा पता देगा जहाँ नियंत्रित होने परिषद्वारा उत्पाद में  
निवेशों को प्रस्तुत किया जाएगा। व्यापारी नियंत्रकों के मामले में मुद्यालय/पंजीकृत कार्यालय सहायक  
विनियोगी का नाम और पता बताते ही ग्रावेन करेगा जिसे पुस्तक में पृष्ठांकित किया जाएगा।  
लाइसेंस में उल्लिखित उत्पाद समूह के मन्तर्गत ग्राम वाली मर्दों के संबंध में मानक निवेश उत्पाद  
मानदण्डों के तहत ग्राम वाले किसी भी निवेश का ग्रामत करने की ग्रावेन को छूट प्राप्त होगी।  
तथापि, लाइसेंस धारक को इस संबंध में निपरित ग्रामीण के भीतर मानक निवेश उत्पादन मानदण्डों के  
मुनुसार निवेशों का डिसाब रखना होगा।

उन मामलों में जहाँ लाइसेंस की कैफ़ा ग्रामीण के दौरान मानक निवेश उत्पादन मानदण्डों में कोई  
परिवर्तन होता है, लाइसेंस धारक को पूर्व-संशोधित मानदण्डों के मुनुसार संशोधन की तारीख से फूले  
किर नियंत्रित संशोधन कर्त्त्वे ग्राम और संशोधित मानदण्डों के मुनुसार संशोधन की तारीख को मुद्या  
उसके बाद किर गर नियंत्रित का डिसाब रखना होगा। ग्रामत करने के सभी लाइसेंसधारक ग्रामत  
जाते में प्रविष्ट करने के लिए सीमावृत्त प्राधिकारियों को निवेशों का और प्रस्तुत करेगा जिसमें इनका  
विशिष्टीकरण और तकनीकी विशेषताएं शामिल होगी।

लाइसेंसधारक आयातित निवेशों और परिषद्वारा उत्पाद के बीच तालमेल बनाए रखेगा।

ग्रावेन नियंत्रित उत्पाद समूह, लाइसेंस का लाभत बीमा भाड़ा मूल्य और नियंत्रित दायित्व का पोत-पर्वत  
निःशुल्क मूल्य के ल्यौरे प्रस्तुत करेगा। तथापि, छूट प्राप्त ग्राम का प्रयोग करने वाले नियंत्रित उत्पाद  
समूह हेतु मानक निवेश उत्पादन मानदण्डों के मन्तर्गत ग्राम वाले किसी भी उत्पाद का नियंत्रित करने की  
लाइसेंसधारक को छूट होगी।

लाइसेंस ग्राम जारी होने की तारीख से ग्रामत हेतु 12 महीनों के लिए और नियंत्रित हेतु 18 महीनों  
के लिए वैध होगा।

पैसा जबैप के भीतर, लाइसेंसधारक एक ग्राहक उसमें ग्राहक ग्राहित लाइसेंस द्वेष ग्रावेन कर सकता है। प्रत्येक ग्राहित लाइसेंस ग्राहक द्वेष एक फ्लन कर्त्तव्य पर पंचकृत होगा। पैरामाल 7.19 में उल्लिखित किसी भी फ्लन से नियति किया जा सकता है।

प्रति ग्रावेक ग्राहक पाक्षा के अनुसार दूसरे वर्ष में लाइसेंस द्वेष ग्रावेन कर सकता है। तथापि, इहले वर्ष में जारी किए लाइसेंस से संबंधित ग्राहक निवेश उत्पादन ग्राहकों के अनुसार सारी लेणा-पुस्तकों के ग्रिलान के बाब तीसरे वर्ष लाइसेंस जारी किया जाएगा।

18 ग्राहकों की ग्राहित समाप्त होने के बाद, लाइसेंसधारक प्रक्रिया पुस्तक ४बण्ड-18 के पैरामाल 7.25 में उल्लिखित इस्ताबेज को प्रस्तुत करके नियति दायित्व को पूरा करने का प्रयाप प्रस्तुत होगा। नियति दायित्व की पूर्ति में वास्तविक शुक्र के ग्राहकों में, लाइसेंसधारक प्रक्रिया पुस्तक ४बण्ड-18 के पैरामाल 7.28 के अनुसार विनियमन द्वेष ग्रावेन कर सकता है।

31. ग्राहित होने से संबंधित ग्रम सं. 2.7 के सामने के कॉलम में दी गई प्रतिशूर्ति दर को संशोधित करके 100 के स्थान पर 95% ढांग जाएगा।

इसे लोक डिट में जारी किया जाता है।

एन. एल. लखनपाल, महानिदेशक विदेश व्यापार

परिशिष्ट - 167

**वाणिज्य भंग्रालय**  
**अधिसूचना सं. 42 (आर ई-98) /1992—97**  
**गई दिल्ली : दिनांक 31 मई, 1994**

विदेश व्यापार विकास और विनियमन, 1992 (1992 की मंज्या 22) की धारा-5 द्वारा प्रकल्प शास्त्रीयों का इस्तेमाल करते हुए केवल मरकार नियन्त्रित मार्ग निर्देश जारी करती है।

नियति उत्पादन द्वेष प्रतिशूर्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से निजी/मध्यम क्षेत्र में नियति मंसाधन क्षेत्रों को स्थापित करने की मन्त्रालय देने का निष्ठ लिया गया है। इन प्रस्तावों पर नियन्त्रित मार्ग निर्देश लागू होगी :

(1) निजी या मरकार और निजी एजेंटों द्वारा मध्यम स्तर से या पूर्णतः याज्ञ मरकार द्वारा या उभयों एजेंटों द्वारा नियति मंसाधन क्षेत्र को विक्रमित जौए नियंत्रित किया जाएगा। निजी तौर पर विक्रमित क्षेत्रों के मामले में, निवेशक प्राप्तीय, प्रवासी प्राप्तीय ग्राहक जिवेशी कम्पनियां हो सकती हैं।

४२४ नियंत्र संसाधन क्षेत्रों की यूनिटों पर लागू नीति, प्रक्रियाएँ और लाभ निजी/संयुक्त क्षेत्र के नियंत्र संसाधन क्षेत्र में स्थापित यूनिटों पर भी लागू होंगे ।

४३५ ऊपर पैराग्राम 1 में उल्लिखित निवी ग्रामवा संयुक्त क्षेत्र के निवेश को ग्रौबूदा नियंत्र संसाधन क्षेत्रों में ग्रामक डिजाइन वाली फैसली द्वारा तातों के नियार्थ स्थान आतिरिक्त मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए उपयोग में लाया जा सकता है । इस उद्देश्य के लिए, नियंत्र संसाधन क्षेत्रों में एहते से उपलब्ध भूमि से ग्राम बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शर्तों पर विकास करने वाली स्वेच्छियों को एहते पर दी जा सकती है ।

१. भूमि को सामान्यतः इच्छुक वर्षों के लिए एहते पर दिया जाएगा ।
२. भूमि के ग्रामीणाङ्ग, विकास आदि की लापत के माध्यम पर निर्धारित किए गए एहते का किराया, प्रति वर्ष ग्रामिय तौर पर देय होगा ।
३. निर्धारित की गई समय अवधि के भीतर उपयुक्त उपयोग सुनिश्चित करने के लिए भूमि का कल्जा सौंपने से एहते निष्पादन गारंटी देनी होगी ।
४. केवल ई.पी.जेड स्कॉल के ग्रामीण मनुष्योदय यूनिट ऐसे तैयार माध्यमभूत ढांचे में स्थान लेने की पात्र होंगी । यह सुनिश्चित करने के लिए कि ग्राम में यूनिटें केवल ई.पी.जेड, स्कॉल के ग्रामीण कार्य कर रही हैं, ग्राम ग्राम्य द्वारा स्थापित किए जाने वेतु मनुष्य सभी यूनिटों से उपयुक्त करार प्राप्त होंगा ।
५. इसमें एहते कि लौज भूमि ग्रामवा उस पर बनी परिस्थिति के किसी ग्रामिकार का इस्तोत्तरण हो जाता है, सरकार से मनुष्यत लेनी होंगी स्थानीक ऐसे ग्रामिकारों के ग्रामीणाङ्ग का विकल्प सरकार का होता है, ऐसे ग्रामिकारों से प्राप्त पूर्जीगत लाभ और ग्रामिकारों के इस्तोत्तरण से प्राप्त पूर्जीगत लाभ पर सरकार और प्रामोटरों के बीच बराबरी की हिस्सेदासी होगी ।

४४६ निजी/संयुक्त क्षेत्र में ई.पी.जेड, स्थापित करने के प्रस्ताव के लिए निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी आवश्यक हैं :

१. क्षेत्रीय-योजना, जल-प्राप्त निकास, प्रदूषण नियंत्रण तथा इसी प्रकार की ग्राम योजनाओं के संबंध में ई.पी.जेड, तथा उसमें यूनिटों को स्थानीय, नियमों, कानूनों, विधायियों या उपरिधि का मनुष्यात्मक करना होता है उन्हें ग्रामीणिक और शाम-सामन तथा ऐसे ग्राम विधि/नियमों व विनियमों जैसा भी स्थानीय स्पष्ट में लागू हो, का भी मनुष्यात्मक करना होता है ।

2. ऐसे सरकारी पदधारियों जिनकी जौन में नियमित उपीयति ग्रावरथक होती है, के लिए स्थापित रार्टल्य ग्रावरस प्रकार करना और सीमाशुल्क बॉडिंग प्रकार का भार ई.पी.बैड. प्रोटोटो द्वारा कहन किया जायेगा।
3. ऐसे ई.पी.बैड. सुरक्षा की व्यवस्था करेंगे और सीमाशुल्क नियमों, समूहों और प्रक्रियाओं की अपेक्षाओं से पूरा करेंगे।
4. नेक्ट ई.पी.यू./ई.पी.बैड. स्टीम के अपने अनुमोदित शैनिंगों से इन ई.पी.बैड. में स्थापित करने की अनुमति होगी।

**४५४ अनुमोदन के लिए प्रक्रिया :**

१. ४१४ ग्रावेन एवं ४१० प्रतीर्णी के विवरण में ग्रावेक का नाम और प्ला. प्रोटोटो इचाई वैयक्तिक/निवी अपनी/राज्य सरकार/एन ग्रार ग्राइड/ग्राइड का स्थार का उल्लेख हो, को निम्नलिखित विवरणों मध्ये अधिक परियोजना रिपोर्ट के साथ विकास ग्रावरस को प्रस्तुत करें इविकास ग्रावरस का रार्टल्य प्रक्रिया प्रूफ्टक इस्यापिस संस्करण, मार्च, १९९५ के परिणाम ३ में दिया गया है।
२. वर्तमान ग्रावरस का विवरण के लिए प्रस्तावित के विवरण संक्षिप्त प्रस्तावित क्लेट की स्थिति, निम्नतम संभवी फलन/विप्रानफलन/लेल डैड से इसकी क्षेत्र दृष्टि।
३. प्रस्तावित लागत, प्रोजेक्ट के वित्त प्रबन्ध के भूलान की रीति, और प्रौद्योगिकी की व्यवहार्यता संक्षिप्त विवरण।
४. विदेशी इंजिनीयरों का विवरण और लाभांशों का देश को भेजना इत्यादि यादि कोई हो।
५. क्या क्लेट केवल विशेष विनिर्दिष्ट उद्दोगों को अनुमति देगा अथवा अह उत्पाद होगा।
६. ग्रावर की स्वीकृति पर, ग्रावेक को अनुज्ञा एवं जारी किया जाएगा। स्वीकृति प्रकार के दृश्यणग्र अथवा अनुमोदन की रूपी को प्राप्त करने पर अनुमोदन से निरस्त रह दिया जाएगा।
७. एन ग्रार ग्राइड और विदेशी/भारतीय संपर्कियों द्वारा जप्तीन जायकास स्वामित्व/विकास पर इन नियमों मंचर्भन क्लेट की स्थापना पर भी भारतीय रिजर्व बैंक दिशानिर्देश लाए होंगे।
८. ऐसे क्लेटों में स्थापित किए जाने वाली प्रस्तावित शैनिंगों के ग्रावेन-एवं पर केवल उत्पाद एवं सीमाशुल्क कंक्रीट बोर्ड द्वारा ग्रावरथक भूमिकाएं जारी किए जाने के बाद विचार किया जाएगा।

मनुष्यानक-४  
३ परंपरां १ ३

नियंत्र संसाधन क्षेत्र

उन ई.ओ.ए./ई.पी.जेड एफकों के कार्य निष्पादन का भावांश जिन्होंने

31 मार्च, 1999 से स्थानी के मनुसार वाणिज्यिक उत्पादन का एक क्षेत्र  
या इससे सम्बंधित प्रश्न कर लिया है।

१ स्पष्ट लालों में/इलार मिलियन में १

स्थ सं.	शून्य का वाणिज्यिक	नियंत्र दायित्व	वास्तविक	नियंत्र	विदेशी	निर्धारित	प्राप्त	विदेशी	टिप्पणी
नमू	उत्पादन	शैफिले पैस	नियंत्र	दायित्व	मुद्रा	एनएफडब्ल्यू	विदेशी	मुद्रा	
प्राप्तम्	वर्षा या रुम	शैफिल ५	में मन्त्र	मुद्रा	ग्रहण-मुद्रा	मुद्रा	मुद्रा	मुद्रा	
करने की	बैंसा भी	में नियंत्र			स्तर पर	मुद्रा	मुद्रा	मुद्रा	
तरीक़	लागू हो १	दायित्व के							
	र.इलार	प्राप्ति १							
		र. इलार							

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11.

## परीक्षा - 56

वांछिक जारीत की मूलता के लिए ग्रावेन एवं सा प्रका

1. कृपया नीति का पैराग्राफ 7.4क और इस प्रक्रिया पुस्तक का पैराग्राफ 7.54 देखें।
2. कृपया ग्रावेन एवं प्रबन्ध से पहले परीक्षा 1 पर दिए गए सामान्य अनुदेश ध्वनि

सार्वजनिक प्रयोग के लिए

फाइल मंजूरी \_\_\_\_\_ दिनांक \_\_\_\_\_

|  |  |        |
|--|--|--------|
| 1.   | ग्रावेन का नाम और पता  | .....  |
| 2.   | ग्रावेन-नियंत्रित कोड संख्या   | .....  |
| 2. (क) ऐन नम्बर  | .....  | .....  |
| 3. (क) विनिर्माता/सहविनियोगी/सह विनिर्माता का नाम और पता | .....  | .....  |
| 3. (ख) यूनिट का प्रकार                                   | पंजीकृत संख्या   | दिनांक |
| 4.   | कमीशन को छोड़कर नियंत्रित का कुल पोत पर्याप्ति नियंत्रित की मूला में अमरीकी डालर में | .....  |
| 4.   | कमीशन को छोड़कर नियंत्रित का कुल पोत पर्याप्ति नियंत्रित की मूला में अमरीकी डालर में | .....  |
| 5.   | ग्रावेन का कुल लागत श्रीमा माड़ा मूल्य   | .....  |
| 6.   | ग्रावेन-एवं शुल्क इकाई बैंक रसीद/डिमान्ड डाक्ट संख्या और दिनांक इकाई जारी करता       | .....  |
| 7.   | पंजीकृतण का फलन  | .....  |
| 8.   | नियंत्रित उत्पाद समूह  | .....  |
| 9.   | पिछले नाइट्सिंग वर्ष में नियंत्रित का योत पर्याप्ति नियंत्रित की मूल्य               | .....  |

10. आवेदन किए गए वार्षिक अधिकार लाइसेंस का  
लग्न बोमा भाड़ा मूल्य .....  
  
 11. फहले प्राप्त किए गए वार्षिक अधिकार लाइसेंस का  
लग्न बोमा भाड़ा मूल्य  
  
 12. शुल्क प्रकल लाइसेंसों में से शुल्क छृद स्कीम के  
अन्तर्गत जारी किए गए पूर्व-नियंत्रित डी ई पी  
बी के लहर बकाया नियंत्रित दायित्व का विवरण ।

शुल्क प्रकल लाइसेंस के लिए

|             |                |             |                |                                |                   |
|-------------|----------------|-------------|----------------|--------------------------------|-------------------|
| क्रम संख्या | लाइसेंस संख्या | लग्न बोमा   | पंज घरेन्ट     | पूर्व किए गए नियंत्रित दायित्व | नियंत्रित दायित्व |
| संख्या      | में से तारीख   | भाड़ा मूल्य | निःशुल्क मूल्य | का प्रतिशत                     | अवधि की अधिकार    |
|             |                | ₹ ३००       | ३५००           |                                | तारीख             |
|             |                |             |                | प्राप्तवार                     | मूल्यवार          |

पूर्व नियंत्रित डी ई पी बी के लिए

|             |                |               |                            |                        |                   |
|-------------|----------------|---------------|----------------------------|------------------------|-------------------|
| क्रम संख्या | डी ई पी बी     | मजबूर किए गए  | प्रति सन्तुलन के लिए       | प्रति सन्तुलन किए जाने | नियंत्रित दायित्व |
| संख्या      | लाइसेंस संख्या | मनतिम क्रेडिट | प्रार्जित क्रेडिट का मूल्य | वाले मनतिम क्रेडिट का  | मर्यादित की       |
|             | में से तारीख   | का मूल्य      | ₹ ३०० में ₹                | शेष मूल्य              | मानता             |
|             |                | ३०० में ₹     |                            | ₹ ३ - ४ ₹              | तारीख             |

1      2      3      4      5      6

घोषणा-पत्र / कानूनक्रता

1. मैं/हम घोषणा करता/करते हैं कि इस आवेदन में दिए गए विवरण प्रेरी/हमारी पूरी जानकारी के अनुसार सत्य हैं लेकिन उसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है ।
2. मैं/हम यह पूर्णतः समझते हैं कि उपर्युक्त सूचना गलत प्रथा भूठी साक्षित होगी तो मैं/हमें कोई भी दण्डनामक कार्रवाई अथवा गन्ध कोई परिणाम पूर्णतये पड़ रखते हैं जो विधि द्वारा निर्धारित प्रथा गन्ध व्यापोचित हों ।
3. मैं/हमें विदेश व्यापार विविकास और विनियान/मध्यनियान, 1992 की शर्तों, उसमें दिए गए नियमों और आदेशों, प्रायत्त-नियंत्रण नीति और प्रक्रिया पुस्तक का पालन करने का व्यवहार देते हैं ।
4. मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई निर्धारित ग्राहीपति के बाहर प्रथा ऐसी विस्तृत ग्राहीपति जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक से अनुमति ली गई हो, नियंत्रण प्राप्तियों बकाया नहीं है ।
5. मैं एवं द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि मैं नीति के पैराग्राफ 3.8 के अनुसार इस घोषणा/कानून पत्र की जांच और दस्तावेज़ करने के लिए प्राप्तिकृत हूँ ।
6. मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि हम केवल नियंत्रण उत्पादन के लिए अपेक्षित निवेशों का आयत फरंगी और नियंत्रण दायित्व के नियंत्रण में प्रयोग किए जाने के ग्राहीपति इसका कोई भी प्रभाव नहीं है/दस्तावेज़/नियान प्रथा प्रयुक्त नहीं किया जाएगा ।
7. मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि हृषि ग्राम माल कंबल आवेदन पत्र के कॉलम 3 में अंगूष्ठित फैटरी में प्रयुक्त किया जाएगा ।

मान

आवेदक के दस्तावेज़

तारीख

नाम

पदनाम :

कार्यालय का पता :

टेलीफोन संख्या :

भ्रावासीय पता :

ई. मेल संख्या:

आवेदन प्रक्रिया के साथ संलग्न किये जाने वाले दस्तावेज़ :

1. परिणाम-34 की शर्तों के अनुसार आवेदन-शुल्क के मालामाल के साथ में बैंक उपीद द्वारा प्रतियोगी प्रेद/डिप्रेन ग्राहक ।
2. बैंक ग्राम सी एवं भी जी स्कूल: प्रामाणित गति ।
3. मनदी नेवाकार के परिणाम-26 में दिये गये कामेंट पर गत वर्ष के नियंत्रण को प्रामाणित करने वाले दस्तावेज़ ।
4. आवेदक या उसके महान् विनियोगी के विनियान लाइसेंस की ग्राहीपति ।
5. उत्पादक-शुल्क न लगाने वाले उत्पादक के लिए इसकी मावशक्ता नहीं है ।

मनुष्यानक - स

## वाणिज्य प्रबालय

## प्राप्तिकर्ता

नई रिली तारीख: 20 जनवरी

सां.ग्र. 24 (प्र०), विदेश व्यापार विभाग और विनियम 3 अधिनियम, 1922 (1992 का 22) से पारा 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र (असाधारण) के प्राप्त-2, छाण्ड-3, उपछाण्ड 32 में प्रकाशित प्राप्त मरकार, वाणिज्य प्रबालय के 24 फरवरी, 1998 से प्राप्तिकर्ता मंद्या 145 (प्र०) का अतिक्रमण करते हुए, ऐसे अधिक्रमण में पूर्व किए गये कार्य अथवा किए जाने वाले कार्यों के मामलों को छोड़कर, केन्द्रीय मरकार एवं द्वारा धारा 11 के माध्यम से अप्रैल धारा 13 के मुधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के प्रयोग के लिए नीचे दी गई सारिणी के कलाप 32 में विविध अधिकारियों को, उन सारिणी के आले कलाप-3 की प्रविष्टि में ऐसे अधिकारियों के प्रति विविध सीमाओं के मुधीन विविध करती है, नामतः-

## मारणी

| मूल संघर्ष | प्राप्तिकर्ता का एवनाम   | माल का मूल्य जिसके लिए<br>शक्तियों का प्रयोग किया जा<br>सकता है । |
|------------|--|---|
| 1.         | ग्राम प्रहानिदेशक, विदेश व्यापार                                   | कोई सीमा नहीं   |
| 2.         | जौनल मंडुक्स प्रहानिदेशक, विदेश व्यापार/<br>ग्राम नियंत्रित माध्यम | 10 करोड़ स्पर तक  |
| 3.         | संयुक्त प्रहानिदेशक, विदेश व्यापार                                 | 5 करोड़ स्पर तक   |
| 4.         | उप प्रहानिदेशक, विदेश व्यापार                                      | 1 करोड़ स्पर तक   |
| 5.         | महाराष्ट्र प्रहानिदेशक, विदेश व्यापार                              | 10 लाख स्पर तक  |
| 6.         | विदेश व्यापार विभाग प्राप्तिकर्ता                                  | 5 लाख स्पर तक   |

[फा. सं. 18/9/97/ई सी ए-3]

एन. एल. लखनपाल,  
महानिदेशक, विदेश व्यापार और पदेन  
अपर सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE****PUBLIC NOTICE NO. 10 (RE-99)/1997—2002**

New Delhi, the 7th June, 1999

**F. No. 01/94/180/00143/AM-00/P.C-IV.**—In exercise of powers conferred under paragraph 4.11 of the Export and Import Policy, 1997—2002, as notified in the Gazette of India extraordinary, Part-II-Section 3-Sub-section (ii) vide S.O. No. 283 (E) dated 31-3-97, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendment in the Handbook of Procedures (Vol. 1) (RE-99), 1997—2002.

1. The following shall be added as Paragraph 3(iii) in Appendix - 16-F

"3(iii) DTA sale of instant tea would be allowed upto 20% of FOB value of exports in the form of tea bags or bulk".

2. Paragraph 1(v) of Appendix-16-F shall be amended to read as under:

"EOU/EPZ rice mills will be exempted from levy orders limited to the quantity exported by them".

3. The following shall be added at the end of paragraph 9.1:

"Export processing zones can also be set up in private/joint sector as per guidelines issued vide notification 42(RE)/92-97 dated 31<sup>st</sup> May, 1994 (as mentioned in Appendix- 16G)". The details of STP scheme is given in Appendix- 44 and EHTP scheme is given in Appendix- 45.

4. The paragraph 9.38(iii) shall be amended to read as under:

"Foreign investment into EOU/EPZ/STP/EHTP shall be governed by the guidelines on the subject".

5. The word and expression "Annexure -I" as appearing in 2<sup>nd</sup> line of paragraph 4 of Appendix- 16B (App.117) shall be amended to read as "Appendix-I".
6. The word and expression "Appendix- \_\_\_\_\_" appearing in 6<sup>th</sup> line of paragraph 4 of Appendix- 16B (app-117) shall be amended to read as "Appendix-E".
7. Entry No. 7 in Appendix- A of Appendix- 16B (page App-119) shall be corrected to read as follows:

"Samples/proto-types of each type of articles covered by manufacturing"

8. The word and expression "owner of" shall be added after the word and expression "partnership firm" as appearing in 2<sup>nd</sup> line of Appendix- 16BB.
9. In the 2<sup>nd</sup> recital clause of Appendix- 16BB, the words and expression "in response to an application by the warehouse" shall be added after the words and expression "whereas".
10. The word and expression "warehouse" may be substituted with the word and expression "warehouse wherever figuring in recital clause and paragraph 1,2,3,4,5,6,7, 8,9 and 11.
11. In the paragraph 6 of Appendix- 16BB shall be amended as follows:

"In the event of the Warehouse failing to fulfill the obligation undertaken by it as aforesaid except when the fulfillment of such obligation is prevented or delayed because of any law, order, proclamation, regulation/ordinance of the Government, the Warehouse shall, on the instructions of the concerned Assistant Commissioner of Customs pay to the Government a sum equivalent to the amount of Customs/Central Excise duty and interest thereon that would be leviable on the items allowed for import/purchase by the Warehouse in terms of approval granted to them together with interest at the prescribed rate"

12. The word and expression "unit" appearing in paragraph 8 (line7), paragraph 10 and last paragraph shall be substituted by the word and expression "Warehouse".
13. The word and expression "government" appearing in paragraph 9 of Appendix- 16BB is amended to read as "Development Commissioner".
14. Entry No. 7 of Annexure-A of Appendix- 16BB (App-119) shall be amended to read as "Samples/proto-types"
15. The following sentence in paragraph(d) of Appendix-16C stands deleted:

"The debonding of EOUs engaged in the manufacturer of licensable item is subject to concurrence of the Administrative Ministry"

16. Proforma-I attached to Appendix-16E is substituted by Proforma-1 (enclosed as Annexure –A to this Public Notice ).
17. The column "Difference in export obligation" as appearing in proforma-III (App.137) shall be amended to read as " Difference in export performance".
18. The Paragraph 3(ii) of Appendix-16EE (App.142) stands deleted.
19. Against entry no. 75 in Appendix-41, the percentage of scrap or waste allowed shall be read as \_\_\_\_\_ 39%.

20. The following shall be added as an agency after S.No. 20 under list of IS/ISO 9000(series) certification agency of Appendix 32B.

21.M/s International Certification Ltd,  
656, Sector 10,  
Panchkula  
Haryana- 134 113

21. The export obligation of a STP unit in NFE term shall be as follows:

Export obligation = US\$ 0.25 million or 5 times the CIF value of imported capital goods, whichever is higher.

Minimum NFEP = 20%.

22. The word and expression "15%" as appearing in line No.2 of paragraph 7.36A shall be amended to read as "10%".

23. The following shall be added at the end of paragraph 7.38:

"The CIF value of imports effected under the DEPB shall not exceed the FOB value against which the DEPB has been issued. The licensing authorities shall incorporate an endorsement to this effect on the DEPB and shall also mention the FOB value in (indian rupees) on the DEPB.

24. The paragraph 6.15 shall be amended to read as under:

" The competent authority as mentioned in paragraph 6.8, may consider, on merits, request for extension in export obligation period including extension for any one year or any one block of years for fulfilment of export obligation subject to the condition that extension of export obligation shall not exceed a total period of one year from the date of expiry of the export obligation period. Moreover, the extension in export obligation period for last block of year shall be allowed for a period of not more than 1 year. The extension in export obligation period shall be subject to such terms and conditions as may be prescribed by the competent authority".

25. The notification S.O.162(E) of 1st March, 1996 appearing in Appendix- 47 (App.378) shall be replaced by Annexure -B (enclosed).

26. The word and expression "Deputy Director General of Foreign Trade" appearing in column 11 of Appendix-27 shall be amended to read as "Jt.Director General of Foreign Trade".

27. The word and expression "The Marine Product Export Development Agency" appearing in the List of HACCP Certification Agencies of Appendix-32B shall be corrected to read as "Marine Product Export Development Authority" appearing in the List.

28. The heading of paragraph 5.36 shall be corrected to read as "Transfer of imported goods".

29. The column in table E as given in paragraph 8.28 shall be amended to read as under:

|    |   |       |       |
|----|---|-------|-------|
| E. | Chains/Bangles manufactured by fully mechanised process and unstudded | 1.25% | 1.25% |
|----|---|-------|-------|

30. The following shall be added as paragraph 7.54:

|                        |      |  |
|------------------------|------|--|
| Annual Advance Licence | 7.54 | <p>The exporters eligible to avail Annual Advance Licence in terms of paragraph 7.4A shall file an application in Appendix-57 to the licensing authority under whose jurisdiction, the manufacturing unit of the applicant is located.</p> <p>The Head office/ Registered office of the company can also file an application on behalf of the manufacturing unit. In such cases, the Head office/Registered office shall furnish full address of the factory where the inputs shall be used in the resultant product for exports. in case of merchant exporters, the applicant shall be made by the Head office/Registered office mentioning the name and address of the supporting manufacturer which shall be endorsed in the book.</p> <p>The applicant shall have the flexibility to import any input covered under the Standard Input Output Norms in respect of items falling under the product group mentioned in the licence. However, the licence holder shall have to account for the inputs as per Standard Input Output Norms within the time period prescribed in this regard.</p> <p>In such cases where there is a change in Standard Input Output Norms during the validity period of the licence, the licence holder shall account for raw material in respect of the exports made prior to the date of amendment, as per pre-revised norms and for exports made on or after the date of amendment as per revised norms. At the time of imports, the licence holder shall furnish the details of inputs, including its specification and technical characteristics, to the Customs authorities for making entries in the imports column.</p> <p>The licence holder shall maintain the nexus in the imported inputs and the resultant product.</p> <p>The applicant shall furnish details of the export product group, CIF value of licence and FOB value of the export obligation. However, the licence holder shall have the flexibility to export any product covered under Standard Input Output Norms for the export product group using the exempt material.</p> |
|------------------------|------|--|

|  |  |   |
|--|--|---|
|  |  | <p>The licence shall be valid for 12 months for imports and 18 months for exports from the date of its issuance.</p> <p>Within the eligibility, the licence holder can apply for one or more Annual Advance Licence. Each Advance Licence shall have one port of registration for imports. Exports can take place from any port mentioned in paragraph 7.19..</p> <p>The eligible applicant can apply for licence in the second year as per his eligibility. However, in the third year, licence shall be issued only after settling of accounts in terms of Standard Input Output Norms in respect of licence issued in the first year.</p> <p>After expiry of 18 months, the licence holder shall furnish proof of having fulfilled export obligation by submitting the documents prescribed in paragraph 7.25 of the Handbook (Vol.1).</p> <p>In case of bona fide default in fulfilment of export obligation, the licence holder can apply for regularisation in terms of paragraph 7.28 of the Handbook (Vol.1).</p> |
|--|--|---|

31. The replenishment rate as given in column against S.No. 2.7 related to rough diamonds shall be amended to read as 95% instead of 100.

This issues in public interest.

N.L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade

## MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION NO. 42 (RE-98) 1992—1997

New Delhi Dated the 31st May, 1994

In exercise of the powers conferred in by section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) the Central Government hereby notifies the following guidelines.

With a view to augmenting infrastructural facilities for export production it has been decided to permit the setting up of Export Processing zones(EPZ) in the private/Joint sector. The following guidelines will apply to such proposals:

1. An EPZ can be developed and managed either privately or jointly by Government and a private agency or exclusively by the State Government or their agencies. In the case of privately developed zones, the investors could be either Indian individuals, NRIs, Indian or foreign companies.
- 11 The Policy, procedures and benefits applicable to units in the Export Processing Zones will also apply to the units to be established in the private/joint sector EPZs.
- 111 Private or joint sector investment in the manner brought out at paragraph 1 above may also be utilised to develop additional infrastructure facilities including construction of standard design factory buildings in the existing EPZs. For this purpose, land already available in the EPZs may be leased out to developers inter alia, on terms and conditions indicated below:
  1. The land would, ordinarily, be leased for a period of 99 years.
  2. The lease rend, to be determined on the basis of cost of acquisition, development of land, etc. would be payable annually in advance.
  3. Performance guarantee, to ensure proper utilisation within the time span decided upon, would be submitted before the possession of land is handed over.
  4. Units approved under the EPZ Scheme only would be eligible to occupy space in the infrastructure so created. To ensure that only units conforming to the EPZ scheme operate in the zone, suitable agreement shall be obtained by the Zone management from all the units permitted to be set.
  5. Prior approval of the Government would be obtained before any rights over the leased land or assets created thereupon are transferred; the government would have the first option for acquisition of such rights. The capital gains accumulation of such rights. The capital gains accruable on

transfer of rights would be shared equally between the Government and the promoters.

IV. Proposals for setting up EPZs in the private/joint sector are required to meet the following conditions:

- I) The EPZs and units therein will abide by local laws, rules, regulations or bye-laws in regard to area planning, sewerage disposal, pollution control and the like. They shall also comply with industrial and labour laws and such other laws/rules and regulations as may be locally applicable.
- II) The EPZ promoters shall bear the Custom bonding charges and also provide appropriate office accommodation for such Government officials whose regular presence may be necessary in the zone.
- III) Such EPZs shall make security arrangements and fulfil all the requirements of the Customs laws, rules and procedures.
- IV) Only units approved under the EOU/EPZ Scheme would be permitted to be located in these EPZs.

V. Procedure for approval:

- I i) Proposal for establishing private/joint sector EPZs will be considered by an Inter-ministerial Committee set up for this purpose.
- II) Applications (10 copies) indicating the name and address of the applicant, status of the promoter (whether individual/ private company/ state Government/ NRIs etc.) along with a project report covering the following particulars may be submitted to the Development commissioner. (Jurisdictions of the Development Commissioners are given in Appendix II to the Handbook of procedure) (Revised Edition, March, 1994).
  - a) Location of the proposed Zone with details of existing infrastructure and that proposed to be established, its area distance from the nearest Sea Port/Airport/Rail head etc.
  - b) Financial details including investment proposed, mode of financing the project and viability of the projects.
  - c) Details of foreign equity and repatriation of dividends etc., if any.
  - d) Whether the Zone will allow only certain specific industries or will be a multi-product one.
- VI. On acceptance of the proposal, a Letter of Permission will be issued to the applicant. The approval will be subject to cancellation in the event of any abuse or violation of the conditions of approval.

VII. RBI guidelines on real estate ownership/development by NRI AND FOREIGN/Indian Companies, will also apply to the establishment of these EPZs.

VIII. Applications of units proposed to be located in such Zones, will be entertained only after requisite notifications has been issued by Central Board of Excise and Customs.

**Annexure- A**

PROFORMA 1

## EXPORT PROCESSING ZONE

**SUMMERY OF PERFORMANCE OF EOUs/EPZ UNITS THAT HAVE COMPLETED ONE YEAR OR  
MORE OF COMMERCIAL PRODUCTION AS ON 31.3.99**

(Rupees In Lakhs/\$ In Million)

## APPENDIX - 56

## APPLICATION FORM FOR GRANT OF ANNUAL ADVANCE LICENCE

1. Please see paragraph 7.4A of the Policy and Paragraph 7.54 of this Handbook.
2. Please read the general instructions given at Appendix 1 before filling this application.

## FOR OFFICIAL USE

File Number: \_\_\_\_\_ Date: \_\_\_\_\_

1. Name and address of the applicant : .....  
.....
2. I.E. Code No.: .....
- 2(a) PAN Number : .....
- 3.(a) Name and address of the manufacturer/ .....  
supporting/co-manufacturer: .....
- (b) Type of      Registration      Date  
unit                  No.                              .....
4. Total FOB value of Rs. .... in currency .... in US \$ ....  
exports excluding      of exports  
commission: .....
5. Total CIF value of Rs. .... in currency .... in US \$ ....  
imports:      of exports .....
6. Application fee: a) Bank Receipt/D.D No.and date.....  
b) Issued by .....
7. Port of Registration: .....
8. Export Product Group: .....
9. FOB value of exports in preceding  
Licensing year .....

10. CIF value of Annual Advance Licence applied  
for .....

11. CIF value of Annual Advance Licence  
already obtained .....

12. Details of outstanding export  
obligation against duty free  
Licences and pre-export  
DEPB issued under Duty  
Exemption Scheme.

For duty free licence

| S.No. | Licences no. and date | CIF value (Rs.) | FOB value (Rs.) | Percentage of export obligation fulfilled |            | Expiry date of export obligation period |
|-------|-----------------------|-----------------|-----------------|---|------------|---|
|       |                       |                 |                 | Quantity wise                             | Value wise |   |
| (1)   | (2)                   | (3)             | (4)             | (5)                                       | (6)        | (7)                                     |
|       |                       |                 |                 |   |            |   |

For pre-export DEPB

| S.No. | DEPB Licence no. and date | Value of provisional credit granted (in Rs.) | Value of credit earned for offsetting (in Rs.) | Balance value of provisional credit to be offsetted (in Rs.)<br>(3-4) | Expiry date of export obligation period |
|-------|---------------------------|--|--|---|---|
| (1)   | (2)                       | (3)  | (4)  | (5)   | (6)                                     |
|       |                           |  |  |   |   |

---

**DECLARATION/UNDERTAKING**

---

1. I/We hereby declare that the particulars and the statements made in this application are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed or held therefrom.
2. I/We fully understand that any information furnished in the application if proved incorrect or false will render me/us liable for any penal action or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.
3. I/We undertake to abide by the provisions of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, the Rules and Orders framed thereunder, the export and Import Policy and the Handbook of Procedures.
4. I/We further declare that no export proceeds are outstanding beyond the prescribed period as laid down by the RBI, or such extended period for which RBI permission has been obtained.
5. I hereby certify that I am authorised to verify and sign this declaration as per Paragraph 3.8 of the Policy.
6. I/We hereby declare that we shall only import inputs required for export production and no part of it shall be sold/ transferred/ disposed off or utilised in any manner except for utilisation in discharge of export obligation
7. I/We further declare that the exempt material shall be utilised only in the factory mentioned in column 3 of the application form.

Place : Signature of the Applicant: .....

Date : .....

Name: .....

Designation: .....

Official address: .....

Tele No: .....

Residential address:.....

E-Mail number.....

---

**Documents to be enclosed with the application form:**

---

1. Bank Receipt (in duplicate) /Demand Draft evidencing payment of application fee in terms of Appendix-34.
2. Self certified copy of valid RCMC.
3. CA certifying the preceding year export in the format given in Appendix-26.
4. Copy of manufacturing licence of the applicant or his supporting manufacturer.
5. Copy of Excise registration (This shall not be required for non exciseable product)

---

**Annexure-B**

**MINISTRY OF COMMERCE  
NOTIFICATION**

New Delhi, the 20<sup>th</sup> January

S.O 24(E). In exercise of the powers conferred by section 13 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992) and in supersession of Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 145(E) dated 24th February, 1998 published in the Gazette of India(Extraordinary) Part-II section 3, sub-section (ii), except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby authorises the officers specified in column (2) of the Table below for the purposes of exercising powers under section 13 read with section 11, subject to the limits specified against such officers in the corresponding entry in column 3 of the said Table, namely:-

**TABLE**

| S.No. | Designation of officer  | Value of the goods in relation to which the power may be exercised. |
|-------|---|---|
| 1.    | Additional Director General of Foreign Trade                                  | Without limit   |
| 2.    | Zonal Jt.Director General of Foreign Trade/<br>Additional export commissioner | Upto Rs.10 crores   |
| 3.    | Jt.Director General of Foreign Trade  | Upto Rs.5 crores  |
| 4.    | Deputy Director General of Foreign Trade                                      | Upto Rs.1 crore   |
| 5.    | Assistant Director General of Foreign Trade                                   | Upto Rs.10 lakhs  |
| 6.    | Foreign Trade Development Officer   | Upto Rs.5 lakhs   |

[File No. 18/9/97/ECA-III)  
N.L.LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade and  
Ex-Officio Addl. Secy.

